मौसम की मुस्कान को।

धरती बांटी, सागर बांटा
मत बांटों इंसान को।

मेरा सपना (नाजनी)

मेरा नाम नाजनी हैं। मैं सराय काले खान में रहती हूँ। में आपको अपने सपने के बारे में बताना चाहती हूँ।

मेरी उम्र 16 साल की हैं और मैं कभी स्कूल नहीं गई। मैं घर में ही पीस बनाने का काम करती हूँ। और घरो में काम करने भी जाती हू। मुझे लगा मेरा जीवन ऐसे ही बीत जाएगा लेकिन जब से मेने BUDS सेंटर में आना शुरू किया हैं तब से मेरा जीवन और मेरी सोच बिलकुल बदल गई हैं। क्यूंकि मुझे यह नहीं पता था की मैं बिना स्कूल गए भी पढ़ सकती हूँ।

बचपन से मेरा यह सपना था की मैं पुलिस बनूँ । लेकिन मैं यह उम्मीद छोड़ चुकी थी। लेकिन जब से पेस सेंटर से जुड़ी हूँ तब से मुझे यह यकीन हो गया हैं की मैं जल्द ही अपना सपना पूरा करुँगी। क्यूंकि मेरे माता पिता ने भी मुझे यंहा इसीलिए भेजा हैं कि मैं अपना अधूरा सपना पूरा कर सकती हूँ।

Courtesy: Ashwarya